



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 13, 1992/फाल्गुन 23, 1913  
No. 44] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 13, 1992/PHALGUNA 23, 1913

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन हो सके  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(प्रायतः व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 230 आईटीसी (पीएन)/90-93

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1992

विषय :—वर्ष 1991-92 के लिए 45 मिलियन रू. (येन 45,000,000) की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत अवाहर लाल मेहता विश्वविद्यालय के लिए दृश्यश्रव्य उपकरणों और पाठ्य के पत्रों पर उपकरणों के परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. आईपीसी/23(89)/90-93 :—वर्ष 1991-92 के लिए 45 मिलियन रू. (येन 45,000,000) की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत अवाहर लाल मेहता विश्वविद्यालय के लिए दृश्यश्रव्य उपकरणों और भारत के पत्रों पर उपकरणों के परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए लाइसेंसिंग शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में उल्लिखित हैं और उन्हें सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है।

डॉ. आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक, प्रायतः-नियंत्रित

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 280 आईटीसी (पीएन)/90-93 दिनांक 13-3-92 का परिशिष्ट वर्ष 1991-92 के लिए 45 मिलियन रू. (येन 45,000,000) की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत अवाहर लाल मेहता विश्वविद्यालय के लिए दृश्यश्रव्य उपकरणों और भारत के पत्रों पर उपकरणों के परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1—सामान्य शर्तें

1(1) वर्ष 1991-92 के लिए 45 मिलियन रू. की जापानी अनुदान सहायता उपकरण के प्रायतः के लिए और उसके भारतीय पत्रों पर परिवहन के लिए सेवाओं के लिए संघर्षों को की जाने वाला भदायगी के बिल पीवण के लिए है।

1(2) प्रायतः के नाम में प्रायतः लाइसेंस कुल मिलाकर 49.5 मिलियन रू. लाइसेंस बीमा भाड़ा मूल्य से अधिक के लिए जारी नहीं किए जाने चाहिए और उन पर एक शीर्षक 1991-92 के लिए 45 मिलियन रू. की जापानी अनुदान सहायता होना चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस कोड एस "जे एन" होगा। परन्तु सामान्य खुले लाइसेंस के अंतर्गत जाने वाली मदों के लिए कोई प्रायतः लाइसेंस अपेक्षित नहीं है।



लगाकर ब्याज मार्गजितिक सूचना सं. 31-आईटी सी (पी एन)/83 दिनांक 20-8-83 और 35-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 26-8-83 को शर्तों के अनुसार सरकार की निम्न में जमा कर दिया गया है। ब्याज दोनों दिनों अर्धवार्षिक दिन विशेषी सम्पत्ति को भुगतान किया जाता है और निम्न दिन सरकारी लेखों में भुगतान किया जाता है, देर है, विशेषी मार्गजितिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और मार्गजितिक सूचना सं. 230-आई टी सी (पी एन)/85 89, दिनांक 20-7-87 द्वारा सहायित मार्गजितिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 द्वारा किए जाने वाले ब्याज ब्याजों को निकटतम रूप में दिया जाएगा। विशेषी संस्करण को किए गए ब्याज भुगतान के समुचित ब्याज की गणना करने के लिए प्राप्त की जाने वाली विधिवत की दर भुगतान की तारीख को लागू विधिवत की ब्याज मिश्रित दर होगी जो मार्गजितिक सूचना सं. 9-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76, तथा मार्गजितिक सूचना सं. 113-आई टी सी (पी एन)/88-91, दिनांक 6-4-89 में विधिवत तरीके के अनुसार विवेचन की गई हो जो मुख्य नियंत्रक सहायक विभाग की मार्गजितिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा विधिवत नियंत्रण परिणामों के माध्यम से सरकार द्वारा समवर्तमान पर पंक्ति को गई था। इस संबंध में और ब्याज की दर के संबंध में अब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा, अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देशव्यापी सहायकों के माध्यम से ब्याज ब्याजों को देने पर ब्याज की दरों से ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। सहायकों की भी यह सुनिश्चित कर दिया जाएगा कि देशव्यापी ब्याजों को सहायकों में वसूली की सुविधा देने से पहले सरकारी ब्याजों से ठीक प्रकार से जमा करा दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए सहायकों की जिम्मेदारी होगी कि देशव्यापी सहायकों ब्याजों से ठीक प्रकार से ब्याज जमा करा दी गई है ब्याजों को ब्याज परिसंचितियों के अनुसार सीमांतगत प्राधिकारियों से मांग की सुविधा प्राप्त करने है। यदि सहायकों सरकार को देय सहायकों को मांग की सुविधा देने से पहले जमा नहीं कर पाता तो ब्याज के लिए उसे प्राधिकार प्राप्त कर देकर दिया जाए। ब्याज लेखा शीट में दर्ज कर दिया विशेषी किया जाएगा वह "क रिपोर्टिंग एंड एडवाइस : 1991" विधिवत विधिवत, डिजिटल फार पॉलिमिटर एडवाइस एंड जस्ट एडवाइस रिजर्व बैंक द्वारा जारी 1991-92 ब्याज फार रिजर्व बैंक सहायकों विधिवत रिजर्व बैंक/विधिवत विधिवत फार भी रिजर्व बैंक सहायकों फार रिजर्व बैंक सहायकों आई जे एन ए" होगा।

4(2) उपर उल्लेखित सहायकों या जो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली मांग स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लीम लिमिटेड, दिल्ली में चालान कर दिया और ब्याज में फार सं. 5160000000 का ब्याज देन हुए या जमा प्राप्त न हो तो पैसा भारतीय स्टेट बैंक या उड़ीसी रिजर्व बैंक सहायकों या किसी सहायकों बैंक (प्रायः द्वारा) में डिमांड ड्राफ्ट देकर या उभ भारतीय स्टेट बैंक लीम लिमिटेड-6 (इंडी एंड पेडी) को ब्याज दिया जाए निष्कर्ष सरकार की मार्गजितिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में जमा विधिवत जमा जमा होगा चाहिए।

4(3) भारत सरकार ब्याज सहायकों, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा दिया किया जाने के बाद जमा दिनांक की भारत सरकार में संवत् बैंक भी उपर निर्धारित तरीके से यह अनिवार्य सहायकों ब्याज ब्याजों के विधिवत सहायकों (जो दिन सहायकों आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। चालान के विधिवत कार्य में जो ब्याज समय सहायकों/उभके बैंकों की इस बात को सुनिश्चित कर दिया चाहिए कि मार्गजितिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना चालान के माध्यम "इन वेरिफ" और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण ब्याजों से निरपवाद रूप में निष्पत्ति किंगपेट है। सहायकों ब्याजों से निरपवाद रूप से निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए।

(क) दिन सहायकों के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक।

(ख) ब्याज सहायकों ब्याज सहायकों ब्याजों के संबंध में ब्याजों गई परिवर्तन की दर के माध्यम ब्याजों किए जाने हैं।

(ग) विशेषी संस्करण को भुगतान करने की तिथि।

(घ) ब्याज किए गए ब्याज को राशि और ब्याजों जमा किए गिना गया है।

(ङ) कुल जमा राशि।

(ब्याज को सहायकों सहायकों सहायकों को सहायकों को सहायकों से और इन सहायकों तक ब्याज सहायकों को समस्त सहायकों सहायकों सहायकों ब्याजों में जमा कराया है, का जाएगा)।

उपरोक्त पत्रों पी. ए. ए. एंड ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार का संदर्भ देते हुए और ब्याज तथा पत्र-परिवर्तन दस्तावेजों को संभाल करने हुए सहायकों सहायकों जमा करने का कर्तव्य देते हुए पत्रोक्त डाक द्वारा सी. ए. ए. ए. एंड ए. की भेजा जाता है।

विधिवत-भारत में सहायकों के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ब्याज का विधिवत भारतीय बैंक सहायकों का सहायकों को सूचना और अनिवार्य पत्र-परिवर्तन दस्तावेजों का प्राप्ति के 10 दिनों के बाद विधिवत ब्याज दिया जाता चाहिए और यह कि ब्याज सहायकों ब्याजों पी. ए. ए. एंड ए. ब्याज सहायकों (प्रायः द्वारा) सहायकों सहायकों की सूचना कर दिया जाएगा।

(1) भारत में सहायकों बैंक की ब्याजों को सूझा विधिवत नियंत्रण प्रति पर ब्याजों ब्याजों की सहायकों सहायकों प्राप्ति और अधिस्त "एस" प्रायः भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजना चाहिए।

आर-5 - विधि व्यवस्थाएं

5(1) अनुदान सहायकों के उद्योग करने की रिपोर्ट।

संस्करण को का जाने वाली सहायकों का राशि और सहायकों को सुनिश्चित करने के लिए सहायकों को सहायकों व्यवस्था करने होगी, सहायकों के बैंक द्वारा देय या विधिवत से प्राप्त पत्र परिवर्तन सहायकों सहायकों को सहायकों के सहायकों सहायकों पर देय ब्याज राशि को सहायकों या पूर्ण रूप में मांग करने का कारण नहीं माना जाएगा।

सहायकों का पत्र-परिवर्तन और उनके पत्रों किए गए भुगतान और जोर सहायकों के ब्याज में प्राप्ति पर सहायकों के ब्याज एक मासिक रिपोर्ट सहायकों ब्याज पत्र लेखा परिक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, ब्याज सहायकों सहायकों सहायकों, इस तब (या ब्याज) सहायकों, नई दिल्ली-110001 को भेजना चाहिए।

5(2) सहायकों का उद्योग विधिवत सहायकों से संस्करण को सहायकों का देना चाहिए जो इन अनुदान सहायकों के सहायकों सहायकों के सहायकों पर सहायकों है।

5(3) विवाद

यह सहायकों ब्याजों कि सहायकों और सहायकों के बीच कोई विवाद उठेगा या उनके लिए भारत सरकार कोई उद्योगविधिवत नहीं होगा। भारतीय स्टेट बैंक सहायकों द्वारा किए गए भुगतान से पहले संवत् द्वारा पूर्ण को जाने पाया जा अनुदान में भुगतान को शर्तों के सहायकों सहायकों सहायकों सहायकों कर देना चाहिए। सहायकों की शर्तों में विवाद के निरपवाद से संबद्ध व्यवस्थाएं शामिल होंगी चाहिए।

5(4) भारी अनुदान

भारत में 1991-92 के लिए अनुदान सहायकों के सहायकों सहायकों सहायकों या उद्योग सहायकों में उद्योग सहायकों ब्याजों मांगने या सहायकों

भारतों के संबंधित या आपान से इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत सभी आचार्यों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए निवेदनों या आदेशों का लक्ष्यसंख्या को तुरन्त पालन करना होगा।

#### 5(5) अतिरिक्त या उत्सर्जन

उपर्युक्त खण्डों में विहित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उत्सर्जन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

#### 5(6) अनुबन्धों की सूची

अनुबन्ध—1 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध

अनुबन्ध—2 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र

#### अनुबन्ध-1

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र संख्या:-----

सेवा में

सहायक सेखा तथा सेखा परीक्षा नियंत्रक,  
वित्त मंत्रालय, प्राधिकार कार्य विभाग,  
"बी" बिल्डिंग 5 वां तल, जनपथ भवन,  
जनपथ, नई दिल्ली।

विषय:— जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय परियोजना के विस्तार हेतु 1991-92 के लिए 45 मिलियन येन की आपानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत आपान से भारत के पत्तनों पर उपस्करों के परिवहन के लिए अपेक्षित दृश्य श्रव्य उपस्कर और सेवाओं का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन आपान से दृश्य श्रव्य उपस्करों और उनके परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के संबंध में हम संबंध आपानी संभरक के पक्ष में बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र भेज रहे हैं:—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता।
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या बिनाक और मूल्य और अब तक यह वैध है।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित है या सांकेतिक खरीद निविदा पर आधारित है। इस मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना है कि क्या निविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण।
- (ङ) माल का उद्गम देश।
- (च) संविदा का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)।
- (छ) यदि कोई हो तो भारतीय रुपए में भारतीय एजेंट के कमिशन की अनुराशि (येन में)।
- (ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।
- (झ) आपानी संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या और बिनाक आपानी संभरक का नाम और पता।
- (ट) वे भुगतान और संबंधित तिथि जिनको संविदाओं के अन्तर्गत देय होंगे।

- (ठ) माल की सुपुर्वी पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथियां।
- (ड) बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले वस्तुनिष्ठ (प्रत्येक सट की संख्या और उसका निपटान दर्शाते हुए)।
- (ब) पोतलवान अनुदेन (अनुमेय या गैर अनुमेय वाहतान्तरण/प्रांशिक पोतलवान निर्दिष्ट कीजिए।
- (ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
- (त) बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो के प्रभार कौन वहन करेगा।
- (क्) आयातक द्वारा वचनबद्धता:—“हम एतद्वारा वचन देते हैं कि हम विदेशी संभरक को देय घनराशि के समतुल्य रुपए की पूर्ण घनराशि की सरकार द्वारा निर्धारित क्रियाविधि से और प्रचालित दर पर सही रूप से जमा करवा देंगे। माल (आयातित सामग्री) के प्रत्येक परेषण की सुपुर्वी प्राप्त कर से पूर्ण राशि शीघ्र ही जमा करवा दी जाएगी। विदेशी राष्ट्रियों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमोदित किए जाते हैं और संभरक को भुगतान किया जाता है वैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी।

भवदीय,

अनुबन्ध-2

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र सं०.....

संख्या एक,

भारत सरकार,

वित्त मंत्रालय

(प्राधिकार कार्य विभाग)

नई दिल्ली, बिनाक

सेवा में,

बैंक ऑफ इंडिया,  
टोकियो शाखा,  
टोकियो (जापान)

विषय: 1991-92 के लिए 45 मिलियन येन की आपानी दृश्य-श्रव्य अनुदान सहायता के अन्तर्गत आपान से भारत के पत्तनों पर दृश्य-श्रव्य उपस्करों के परिवहन के लिए अपेक्षित उपस्कर और सेवाओं का आयात भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 9-12-1991 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा परिशिष्ट में दिए गए यथार्थलान ध्योरे के अनुसार सर्वश्रेष्ठ.....की.....घनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संभरकों को सूचना दे और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएं।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यथा सांकेतिक लदान वस्तुनिष्ठों के आधार पर किया जाएगा।

4. विदेशी संभरक की भुगतान करते समय (आयातक के बैंक का नाम और पता ..... मूल पोत परिवहन दस्तावेज जिसके साथ अतिरिक्त दस्तावेजों को पूरा सैट और संभरक को अदायगी के लिए नामे बीजक की प्रति जिसमें अदायगी यदि कोई हो भेजी जानी चाहिए।

5. आयातक द्वारा आपको दस्तावेज संभरकों एवं बैंकरों के प्रभार को भेजने आदि के लिए भाड़े सहित भरा किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े आयातक के बैंक के द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

6. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लदान दस्तावेजों आदि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय को और आयात के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

7. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

8. यह भुगतान प्राधिकार पत्र ..... तक वैध रहेगा।

9. इस अधिकार पत्र के शीर्ष पर दिया गया है इसे संविदा से संबंधित सारे पत्राचार में और बीजक में अदायगी वगैरह में भी इसे लिखा जाए।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक ..... को उनके पत्र सं० ..... दिनांक के ..... के संदर्भ में।

उत्तरे अनुरोध है कि वे बैंकरों से विनिमय दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकरों के माध्यम से रुपया निक्षेप आदि जमा कराने का प्रवन्ध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण मास की डिलीवरी सोखे सी सामागुलक और पत्तन अधिकारियों से मूल प्रोत लदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रों के द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बन्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदिन हो जाएं, निक्षेप कर लिए जाएं। निक्षेप जल्दी हो और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथाउल्लिखित आवश्यक कार्यवाही को जा सकती है।

2. आयातक के बैंकर.....।

(1) यह प्राधिकार पत्र येस क्रेडिट के अन्तर्गत आयातों को शासित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं का देखे और आयात/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्यवाही करें।

(2) उत्तरे निवेदन किया जाता है कि बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों की चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं० 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 और 113-आई टी सी (पी एन)/88-89, दिनांक 6-4-88 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना को समय समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों की भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन का निश्चित दर पर का जाएंगे। प्रथम 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर से और उससे अधिक अग्रिम के लिए 18% वार्षिक दर से ब्याज जो कि संभरक की भुगतान का तारीख/बैंक ऑफ इंडिया को प्रतिपूर्ति का तारीख और जिस तारीख को समतुल्य रुपयों भारत सरकार के लेखा में जमा किया जाए उन दो

अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं० 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 और सार्वजनिक सूचना सं० 35-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 26-8-83 के अनुसार भारत सरकार लेखे में जमा कराना है। ब्याज दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखे में रुपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा। 20-7-87 की सार्वजनिक सूचना सं० 230-आई टी सी (पी एन)/85-88 की शर्तानुसार आयातक द्वारा निक्षेप किए जाने वाले रुपये की गणना निकटतम रुपये के गुणक में की जानी चाहिए। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक की सामागुलक निकासों के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जाती है।

(3) वे धनगणियां जो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारों में चालान के दाहिनी ओर कोड सं० 5130000009 दर्शते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं० 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपया जमा कराना है के डि डिपोजिट एण्ड एडवांसिज 8443-गिविल डिपोजिट्स, डिपोजिट्स नोट चेयरिंग इन्स्ट्रुमेंट्स डिपोजिट्स फार परचेजिज एमसेट्टा अवरॉड, परचेजिजिज अण्डर ग्रांट ऐड फाम दि गवर्नमेंट ऑफ जापान फार अण्डर डिटेल्ड हेड 45 मिलियन येन ग्रांट एण्ड फार परचेज ऑफ इक्विपमेंट्स एण्ड सर्विसिज होगा।

(4) जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारों दिनों में सार्वजनिक सूचना सं० 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में चालान की मूल रूप में एक प्रतिनिधि उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजनी चाहिए, जिसके साथ बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एक अग्रेशन पत्र होना चाहिए :—

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,

विन मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),

इंडियन ऑयल भवन, 5वां तल (बी० विंग),

जनपथ, नई दिल्ली-110001

(5) जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डा द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में जमा किए गए तुल्य रुपये चुकाये गए ब्याज की राशि और वह अवधि जिसके लिए ब्याज गिना गया है, का पूरा ब्योरा इस विभाग को भेजनी चाहिए।

(6) ब्रांच के बैंक प्रभार और विदेशी संभरकों के बैंकरों के प्रभार, यदि कोई हों, तो वे भारतीय बैंक और बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो के बीच सांख्यिक किए जाने चाहिए।

(7) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत डोना के रूप में बैंक के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों को भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न परिपत्रों में विनिश्चित किया गया है। इस संबंध में 18-6-1977 के ए०डी० परिपत्र सं० 22 की ओर विशेष ध्यान आकर्षित किया जाता है।

3. भारतीय दूतावास, टोकियो।

4. अपर सचिव, जापान अनुभाग, विन मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली को आई०डी० सं० ..... के संदर्भ में।

(लेखा अधिकारी)



## MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE : NO. 220/ITC(PN)/96-93

New Delhi, the 13th March, 1992

Subject—Licensing conditions for import of Audio—Visual equipment for J.N.U. and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant Aid for 1991-92 of Yen 45 million (Yen 45,000,000) regarding.

F. No. IPC/23(88)/90-93.—The terms and conditions governing import of Audio-Visual equipment for J.N.U. and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant Aid for 1991-92 of Yen 45 Million, are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports and Exports.

## APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE

Public Notice No. 280/ITC(PN)/90-93, dated 13-3-92

Licensing conditions for import of Audio-Visual equipment for J.N.U. and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant and Aid for 1991-92 of 45 Yen Million (Yen 45,000,000).

## Section I General Conditions

I (i) The Japanese Grant Aid for (1991-92 of Yen 45 million is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of Audio Visual equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, by the J.N.U.

I (ii) The import licences should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 49.5 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen 45 million Japanese Grant Aid for 1991-92". The licence code for the first and second suffix will be "SJIN". But no import licence is required for items covered under O.G.L.

I (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agent in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, thereof, be charged to the licence.

I (iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid 31-3-92

I (v) The import licences will be issued on CIF basis with validity upto.

(vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows —

"delivery to be completed by 15-3-92".

I (vii) The contract value (FOB or C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges

I (viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II The following provision should be specifically incorporated in the supply contract.

II (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 9th December, 1991 between the Governments of India and Japan concerning the Grant-Aid of Yen 45 million for (1991-92) and will be subject to the approval of both the Governments.

II (ii) Payments to the suppliers shall be made through an "Authorisation to Pay" (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhavan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1991-92.

II (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II (iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

## Section III Contract Approval by Governments of India and Japan.

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (Jap.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance North Block, New Delhi 6 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order of confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of AP" in the form at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts in its price.

III (ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1991-92 of Yen 45 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, Vth Floor, B-Wing, Janpath, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form of Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, Importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the CAA&A.

III (v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in

the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

#### Section IV. Responsibility for rupee deposit.

IV (i) The Original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-I who should released these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12% per annum for the first thirty days and at 18% for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83 and No. 35/ITC(PN)/83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposit is made into Government account vide public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-3-1974 as modified under Public Notice No. 11-103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76. In terms of Public Notice No. 230-17-ITC(PN)/85-88 dt. 20-7-87, the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&F Public Notice No. 3-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 and No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the CCI&F or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the Imports documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further "A/P" to him may be stopped. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-deposits and Advances 8443-Civil Deposits not bearing interest, deposits for purchases etc. abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan for 1991-92 Grant for purchase of audio-visual equipment service is necessary to the Transportation these of to ports of India by J.N.U.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5170000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India, or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks Drawer drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in public Notice No. 103-IAC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account

of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importer/their bankers that the information prescribed in Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challan:-

- Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and Date
- Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of payment to the Japanese supplier.
- The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- Total amount deposited.  
(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importers Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DHA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

#### Section V : Miscellaneous provisions

##### V (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid

The importers should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping, documents etc. by the importer Bankers will not be acceptable as a reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhuvan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001.

V (ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

##### V (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

##### V (iv) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1991-92 from Japan.

## V(v) Breach or violation

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

## V List of Annexures :

Annexure I :—Request for issue of A/P

Annexure II:—Form of A/P.

## ANNEXURE-I

## REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY

To

The Controller of Aid Accounts and Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
'B' Wing, Vth Floor,  
Janpath Bhavan, Janpath,  
New Delhi.

Subject :—Import of audio-visual equipment and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 45 million for 1991-92 for the Extension of J.N.U. Project.

Sir,

In connection with the import of audio-visual equipment and services necessary for its transportation of the Equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the B.O.I., Tokyo in favour of the Japanese supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, Date and value of the import license and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in yen), if any, payable in Indian Rupees.
- (h) Net C&F value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Number and date of the contract with Japanese suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese supplier.
- (k) Payments terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transshipment/part shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of the Importer's bank in India.
- (p) Who will bear the banking charges of the B.O.I., Tokyo-importer or supplier, please specify.
- (q) Undertaking by the importer :—  
We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made

to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to suppliers.

Yours faithfully,

ANNEXURE-II

Authorisation to pay No.

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To

The Bank of India,  
Tokyo Branch,  
Tokyo (Japan).

Subject :—Import of audio-visual equipment & services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant-Aid of Yen 45 million, for 1991-92 Issue of Authorisation to Pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 9th December, 1991 entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen

to M/s.

as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P may be made on the basis of shipping documents as indicated in the appendix.

4. On making payments to the foreign suppliers, you should send to to (Name and address of importers' Banker) the original shipping documents (negotiable as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Banking charges including charges for handling document and charges of overseas suppliers, Bankers if any, payable to you by the importers, will be settled directly by the importer's bank.

6. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, and advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importers' bank.

7. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This A/P will remain valid upto \_\_\_\_\_.

9. Please quote the number given at the top of this authorisation to pay in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,

Accounts Officer



Copy forwarded to:—

1. Importer with reference to their letter No. dated

They are requested to arrange to deposit through their bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner before taking delivery of the negotiable documents from the bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port Authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importers' Banker—

- (i) This authorisation to pay is issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen grants. The licensing conditions and connected public notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

- (ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese supplier on receipt of the document from the Bank of India Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76, dated 17-1-76, and 113-ITC(PN)/88-89, dated 6-4-89 original such other Public Notices as may be issued from time to time interest @12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalent are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India's account in terms of public notices No. 31-ITC(PN)/83, dated 10-8-83 and No. 35/ITC(PN)/83, dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the date on which rupee deposit is made into the Government account (any change in this rate will be notified if and when made). In terms of Public Notice No. 230-ITC(PN)/85-88 dated 20-7-87 the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import negotiable documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

- (iii) These amounts should be deposited either with RBI New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the SBI of its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notice, No. 103-ITC(PN)/76, dated 12-10-1976. The head of account to be credited is K-Deposits and Advances-8443-Civil Deposits, Deposit not bearing interest Deposit for purchases etc. abroad-purchases under grant aid from Government of Japan for 1991-92 under detailed head "Yen 45 million grant aid for purchases of equipment/services by

- (iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71, dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs), Janpath Bhavan, Vth Floor, (B-Wing), Janpath, New Delhi-110001.

- (v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

- (vi) The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the B.O.I., Tokyo.

- (vii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in foreign exchange are prescribed in various A.D. circulars of the R.B.I. specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22, dated 18-6-1977.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (Japan Section), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi with reference to I.D. No. dated

Accounts Officer

